Dr. Sangita Kumari Saha
B. A. D-II (H) IIIrd paper

Continue...

Manic Depressive psychosis....

4. विभ्रम एवं व्यामोह :: इनके रोगियों में विभ्रम एवं व्यामोह भी पाये जाते हैं। इन्हें ईश्वर की आवाज सुनने, बातचीत करने या ईश्वर से साक्षात्कार होने, परियों से मुलाकात होने आदि के विभ्रम होते हैं। उदासी की अवस्था वाले रोगियों को डंके मारने, किसी के शव या खोपड़ी को देखने या भूत-प्रेत आदि के विभ्रम होते हैं। इसके रोगी व्यामोह के भी शिकार होते हैं। ये व्यामोह प्रायः संदर्भ, दण्ड या श्रेष्ठता से सम्बन्धित विषयों के होते हैं।

5. यौन एवं संवेग से सम्बन्धित लक्षण :: उत्साह प्रधान अवस्था के रोगियों में यौन संवेग का बाहुल्य रहता है। ऐसे रोगी अतिकामुक होते हैं तथा संतुष्टि न मिलने पर प्रतिक्रियात्मक व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं लेकिन विषाद प्रधान की अवस्था में इन रोगियों की कामुक इच्छा मन्द पड़ जाती है। इनमें काम संबंधी इच्छाओं को जागृत करना कठिन होता है। इसी प्रकार उत्साह की अवस्था में रोगी अतिप्रसन्न रहता है। तथा उसे सदा सुख का ही बोध होता है। ये उद्यमी और विनोदी होते हैं। लेकिन व्यवहार कुशल नहीं होते हैं। अतिविषाद की अवस्था में रोगी बहुत अधिक उदासीन, असहाय एवं जीवन में नीरसता का अनुभव करता है। ये इतने दुःखी अधिक रहते हैं कि किसी प्रकार की सांत्वना का कोई प्रभाव इनपर नहीं पड़ता। इनकी भूख मर जाती है। तथा ये घोर निराशा के भावों से संतप्त रहते हैं। कभी-कभी इनकी भावात्मक मुद्रा तनाव स्वरूप की होती है।

किसी घटना के प्रति न तो ये प्रसन्न होते हैं और न दुःखी। किसी विनोदपूर्ण बात पर भी इनके चेहरे पर प्रसन्नता के चिह्न नहीं दिखते।

(b) मनोक्रियात्मक लक्षण (Psycho-motor Activities)

इन रोगियों की मानसिक एवं शारीरिक क्रियाओं में भी असामान्यता के लक्षण दृष्टिगोचर होते हैं। उत्साह की अवस्था के रोगी अति क्रियाशील होते हैं। ये कभी भी निष्क्रिय नहीं रहते। इनके मस्तिष्क में उठने वाले विचारों के तरह आवेशपूर्ण क्रियाएँ भी होती हैं। इसके विपरीत विषाद की अवस्था में रोगी का मस्तिष्क शून्य मालूम पड़ता है। वह निष्क्रिय रहता है तथा केवल आराम करना चाहता है। उसे किसी भी बातचीत में कोई रुचि नहीं मालूम पड़ता है। इनके रोगियों में आत्महत्या करने की भी प्रवृत्ति देखी जाती है। उनका स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो जाता है।

(c) अन्य लक्षण →

उत्साह एवं विषाद के रोगियों में किन्हीं उपस्थित वस्तुओं को यथार्थ रूप में अनुभव करने में असावधानी और भ्रम के लक्षण दृष्टिगोचर होते हैं। इन रोगियों में स्मृति संबंधी त्रुटियाँ भी पायी जाती हैं जो मुख्य रूप से एकाग्रचित होने की अयोग्यता और ध्यानभंग के कारण होती है। इन्हें भूख कम लगती है तथा नींद की कमी की शिकायत होती है। विषाद के कुछ रोगियों में अतिनिद्रा जैसे लक्षण देखे जाते हैं।